

SRUTI

Society for Rural Urban & Tribal Initiative

Yuvaniya Magazine

A forum to bring young voices together

Yuvaniya magazine, an initiative that emerged in the camps and discussions of SSC and among fellows - back in its first avatar has moved forward in leaps and bounds in its vision of starting a platform for the youth to express and share their thoughts and views on various themes and issues. Driven by a firm resolve that a platform like this will help our SSC participants remain connected, the magazine was started with a vision that through such processes skills of a writer, reporter, and poet can be inculcated and honed in them. Resultantly in its formative years, *Yuvaniya* thus became a printed collection of ideas and perspectives of these individuals and helped them remain connected and updated about each other.



Participants engaged in various activities during the SSC Camp at Betul, Madhya Pradesh

With the onset of the COVID-19 pandemic, all opportunities to meet offline during the lockdown and months after came to a standstill. Resultantly, attempts have been made to scale up this unique initiative through online platforms. With the guidance and support of SRUTI fellows and team, an online blog in the name of *Yuvaniya* was designed and launched on 1st September 2020. A fortnightly magazine, *Yuvaniya* was revived with the aim to share

With a rapid rise in the use of and access to technology and smartphones, we hoped that the participants who have joined SSC over the last three batches, from across the length and breadth of the country would come forward to partake in this initiative. Taking this hope to overwhelming heights, to date we have been successful in bringing out a total of 21 editions of Yuvaniya. 81 youth from 10 states have marked their enthusiastic participation in expressing their views through different mediums. Youth from Bihar, Chhattisgarh, Delhi, Jharkhand, Madhya Pradesh, Maharashtra, Odisha, Rajasthan, Uttarakhand and Uttar Pradesh have come forward and joined the magazine as writers.

Table 1: Number of entries received and authors who have joined Yuvaniya Magazine

Sr. No.	State	Number of contributions received (state-wise)	Number of Authors (state-wise)
1.	Bihar	12	06
2.	Chhattisgarh	04	02
3.	Delhi	21	08
4.	Jharkhand	18	11
5.	Madhya Pradesh	30	24
6.	Maharashtra	07	05
7.	Odisha	09	06
8.	Rajasthan	16	09
9.	Uttarakhand	06	02
10.	Uttar Pradesh	16	08
11.	Yuvaniya Desk	19	06
Total		158	81+06

A total of 158 entries have been published on the blog so far, garnering around 13,637 views in total. The writings are around different issues and themes like agriculture and land rights; mining; water-forest-land; folk culture; Corona pandemic-lockdown and its felt impacts in the villages; information, etc. Articles of young writers like Smriti Kujur from Jharkhand reporting on her experiences in a youth camp she attended has got a total of 349 views so far. The poems of our companions related to the theme of water-forest-land have also been widely appreciated. Thoughts of our youth on the emerging difficulties in getting a livelihood; the ever-increasing distance of youth from agriculture and the growing attraction of youth towards the markets have been read by more than 300 people. Some relevant and interesting articles written by our youth can be read by clicking on the link -

- [बाज़ारवाद की चपेट में आ रहे हैं आदिवासी युवा;](#)
- [चित्तौड़गढ़ राजस्थान से वैक्सिनेशन और कोरोना पर फील्ड रिपोर्ट;](#)
- [जंगल बचाओ, जीवन बचाओ;](#)

Striving to learn and broaden the horizons of the magazine, frequent discussions among the team have over a period of time culminated in constituting a diverse yet balanced editorial team. Today, there are a total of 10 members in the Yuvaniya Editorial team, each with their skill-sets working towards expanding the scope of the magazine.

	अखिलेश, बिहार के अररिया ज़िले से हैं, और सामाजिक परिवर्तन शाला से जुड़े हैं। अखिलेश गाने लिखने, गाने और सबको खेल खिलाने में माहिर हैं। वह जन जागरण शक्ति संगठन के साथ जुड़कर अपने समुदाय के हकों के लिए काम करते हैं।		आलोक, उत्तर प्रदेश के जौनपुर ज़िले के युवा साथी हैं, और स्थानीय सामाजिक परिवर्तन शाला से जुड़े हैं। वर्तमान में आलोक लुधियाना से बी.एच.एम.एस. की पढ़ाई कर रहे हैं।
	पेशे से बुनकर आमिर, उत्तर प्रदेश के अम्बेडकर नगर ज़िले से हैं और सामाजिक परिवर्तन शाला से जुड़े हैं। वर्तमान में वह झारखंड के गुमला जिले में निर्माण संस्था से जुड़ कर काम कर रहे हैं।		अमित, सामाजिक परिवर्तन शाला से जुड़े हैं। वे मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले में एक वैकल्पिक शिक्षा के प्रयोग पर शुरू हुआ स्थानीय स्कूल - आधारशिला शिक्षण केन्द्र चलाते हैं।
	अन्नपूर्णा, ओडिशा के बलांगीर ज़िले से हैं, और सामाजिक परिवर्तन शाला से जुड़ी हैं। वह ज़िन्दाबाद संगठन के साथ जुड़कर स्थानीय मुद्दों पर काम कर रही हैं।		एमलॉन, ओडिशा के सुंदरगढ़ ज़िले से हैं और सामाजिक परिवर्तन शाला से जुड़े हैं। वे दिल्ली में श्रुति संस्था के साथ काम कर रहे हैं।
	प्रेरणा, राजस्थान के चित्तौड़गढ़ ज़िले से हैं और सामाजिक परिवर्तन शाला से जुड़ी हैं। वह भदेसर गाँव में शुरू हुए एक स्थानीय स्कूल-आधारशिला विद्यालय में शिक्षिका हैं। प्रेरणा खेतिहर खान मज़दूर संगठन के साथ जुड़कर स्थानीय मुद्दों पर भी काम कर रही हैं।		सिद्धार्थ, उत्तराखंड से हैं और सामाजिक परिवर्तन शाला से जुड़े हैं। वे दिल्ली में श्रुति संस्था के साथ काम कर रहे हैं।
	सुरेश डुडवे, मध्य प्रदेश के बड़वानी ज़िले से हैं। सुरेश आदिवासी समाज के मुद्दों पर स्वतंत्र लेखन में रुचि रखते हैं और वर्तमान में तमिल नाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय, तिरुवरूर से हिन्दी में पीएचडी कर रहे हैं। ईमेल: dudwesuresh6@gmail.com		तेजस्विता, दिल्ली से हैं और सामाजिक परिवर्तन शाला से जुड़ी हैं। वे दिल्ली में श्रुति संस्था के साथ काम कर रही हैं।

Yuvaniya Editorial Team

The online initiative of Yuvaniya magazine is completing 1 year of its inception. The editorial team and our mentors are constantly engaged in trying their hands at something new - build a set of experts, prepare informatics, collate and translate essays, prepare factoids and activate dissemination networks. We are also working on the possibilities of compiling a selection of our published posts, trying to bring out a printed magazine.

As per the writers and the contributors of the magazine, communications with the youth

faced difficulties from time to time. The technology and its widespread access that has emerged as a boon, has also been a bane when it comes to facets like being easily distracted and lost. Keeping oneself updated with the changes in technology has become a challenge in itself!

Aspects like website designing; maintaining interactive and interesting channels of communication with the youth; increasing Yuvaniya's presence and outreach on various social media platforms and exploring and learning different mediums of expression are some facets that we all need to learn collectively through training-workshops. Such skills will not only help in building confidence in the younger generation but will also play a vital role in sustaining the youth's contribution to Yuvaniya magazine and other such initiatives.

Tags & categories		Stats for All Time	
Topic	Views	Title	Views
युवाओं की सोच	287	Home page / Archives	1,580
गाँव की खबर	155	Home	1,397
largescale human out migration	147	प्राकृतिक आस्था और आदिवासी अध्याय का प्रतीक 'सरना'	458
Rajasthan	143	आव भी हमें डर है	357
Banswara exploitation in	135	झारखंड के महुआडीठ में हुए युवा शिकार पर स्मृति कुकुर की रिपोर्ट	349
कविता / कला	102	जंगल बचाओ, जीवन बचाओ	314
Madhya Pradesh	93	पहाड़ और सरकार	281
COVID-19	86	आवसीजन मिल जाही का १०१५	262
ज़रूर पढ़ें	85	लाखों बुनकरों के रोज़गार पर संकट	261
environmental destruction	73	बाज़ारवाद की चपेट में आ रहे हैं आदिवासी युवा	249
		आत्मनिर्भरता की 'धकान' से खेती से दूरी नाप रहा है आज का युवा	244
		कृषि अधिनियम: अब खेती भी जाएगी कारोबारियों के हाथों में	243

Views received on Tags and Categories





बुनकरों की लीन

लाखों बुनकरों के रोज़गार पर संकट

आभिर बत्ताल: लॉकडाउन के कारण बुनकरों के आय के रास्ते बंद हो गए हैं। देश के बुनकर पहले विद्रुत करघों (पावर लूम) के कारण बेरोज़गार हुए तो अब उन्हें लॉकडाउन बेरोज़गार कर रहा है। भारत में कोरोना वायरस पर काबू पाने की कोशिशों के लहत जारी ताताबदी, बुनकरों के लिए बड़ी मुसीबत लेकर आई है।

[Continue reading >](#)

June 15, 2021



कविता / कला

अनमोल है मेरा गांव

एम.जे. वास्को: देशक कम पहले लिखे लोगवते है गांव में फिर भी हर वर्ग के लोगों का मान-सम्मान करना तो रहना है इनके स्वाभाव मेहसीतिप अनमोल है मेरा गांव। भिन्न-भिन्न जाति, धर्म, समुदाय के लोग रहते है गांव में फिर भी हर समस्या का समाधान करते है एक पेड़ की छांव मेहसीतिप अनमोल है मेरा गांव गरीबी, दरिद्रता और बेरोज़गारी

[Continue reading >](#)

June 15, 2021



संवादकीय

आखिर हम लोग ऐसे क्यों हैं?

कोरोना महामारी के समय भी कालाबाज़ारी अमित. आजकल एक बात बहुत चल रही है सोशल मीडिया में कि हमारे देश के लोग ऐसे क्यों है कि इतनी बड़ी विपदा के समय मुनाफ़ा कमाने की सोच रहे है - अविसीजन ब्लैक में बेच रहे है. किसी अस्पताल खूब फ़ीस ले रहे है. दवाइयों की काला बाज़ारी

[Continue reading >](#)

June 15, 2021



आवाज उठी

छत्तीसगढ़ के पिथौरा से बंधुआ मजदूरी पर रिपोर्ट

सिद्धार्थ: 5 नवंबर-2020, गौ-चिरौड़ा, तहसील- पिथौरा, जिला- महासमुंद्र 5 नवंबर 2020 को छत्तीसगढ़ के साथी राबिन डीटी और देवेन्द्र भाई के साथ हम पिथौरा के चिरौड़ा गांव पहुंचे। चिरौड़ा में हम संगठन की पुरानी साथी सुशीला और उनके परिवार से मिलने जा रहे थे, जिन्हें कुछ समय पहले ही पुना (महाराष्ट्र) से 40 कि.मी.

[Continue reading >](#)

June 15, 2021



कोरोना महामारी / लॉकडाउन

कोरोना महामारी और मौजूदा हालातों पर महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के युवाओं का संवाद

युवानिया डेस्क: हमें बहुत खुशी है कि हम महाराष्ट्र और उत्तरप्रदेश के युवाओं के विचारों की वीडियो प्रस्तुति, युवानिया के माध्यम से कर रहे हैं। ये वीडियो, सामाजिक परिवर्तन लाता, महाराष्ट्र द्वारा चुप पर अयोग्यित युवा संवाद के दौरान रिकॉर्ड किए गए थे। इस संवाद में, कोरोना लॉकडाउन के कारण आम लोगों के जीवन में

[Continue reading >](#)

June 15, 2021



कविता / कला

बस एक दिन...!

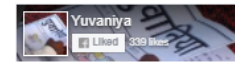
पावनी: छुना है आसमान, उन उड़ते पंरिदी की तरह मुझे भी एक दिन..। उन छोटी-बड़ी मछलियों की तरह देखनी है सगर की गहराइयों मुझे भी एक दिन..। उन छोटे-बड़े आकार कुत्ते-किलियों के साथ करना है पूरे गांव का सफर मुझे भी एक दिन..। उन ऊँचे-ऊँचे पहाड़ों की तरह हरियाली पहने हुए खड़ा रहना है मुझे भी एक दिन..। हिमालय की चोटियों से निकलकर बहना है

[Continue reading >](#)

June 15, 2021

- इतिहास की नज़र (2)
- कविता / कला (36)
- कहानी (2)
- कोरोना महामारी / लॉकडाउन (22)
- खान-खनन (3)
- खेती-किसानी (15)
- गाँव की ख़बर (12)
- जल-जंगल-ज़मीन (8)
- जानकारी (11)
- परिचय (5)
- पुस्तक परिचय (1)
- युवा पहल (5)
- युवाओं की सोच (41)
- युवानिया डेस्क (2)
- रिपोर्ट (5)
- लोक संस्कृति (10)
- संपादकीय (2)
- ज़रूर पढ़ें (11)

CONNECT WITH US ON -


[Follow Yuvaniya / YUVANIYA](#)

SUBSCRIBE TO BLOG VIA EMAIL

Enter your email address to subscribe to this blog and receive notifications of new posts by email.

Join 383 other followers

[Subscribe](#)

A glimpse of Yuvaniya Homepage

All-time posts, comments, views, and visitors

☰	Posts	158
💬	Comments	40
👁️	Views	13,637
👤	Visitors	7,254
🏆	Best views ever	811
	June 1, 2021	

Annual site stats

YEAR	TOTAL POSTS
2021	102
TOTAL COMMENTS	AVG COMMENTS PER POST
29	0
TOTAL LIKES	AVG LIKES PER POST
48	1
TOTAL WORDS	AVG WORDS PER POST
68,655	673

[View all](#)

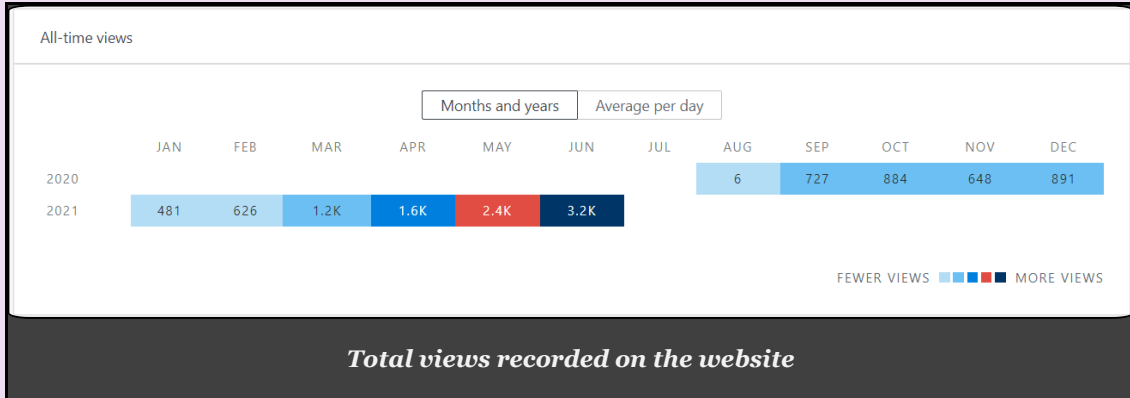
Left: All-time Views, Visitors and Posts on Yuvaniya

Right: Annual Statistics for the year 2021

From the inception of the magazine to date, this initiative has been so loved by our young participants that entries are received from authors and writers till the last minute, often

dynamic, personal and novel views and thoughts of the youth, which is being appreciated and welcomed by audiences from both rural and urban areas.

Do visit our blog to know more about us – [Yuvaniya](#).



Our mailing address is:

core@sruti.org.in

Visit us @ sruti.org.in to know more.

This email was sent to <<Email Address>>

[why did I get this?](#) [unsubscribe from this list](#) [update subscription preferences](#)

Society for rural urban and tribal initiative · 103/4 Sona Apartment Kaushalya Park · Hauzkhas · Delhi, 110016 · India

